समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | **Thursday, 24 September 2026**

नोहर धान मंडी मे छुट्टी के दिन भी 20 हजार बैग चने की खरीद, किसानों को मिली बड़ी राहत

राजेश चौधरी

Published on 20 Apr 2026

[illegible] | [illegible] | [illegible]

किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नोहर की धान मंडी में छुट्टी के दिन भी सरकारी चने की खरीद जारी रखी गई। इस दौरान करीब 20 हजार बैग चने की खरीद की गई, जिससे क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिली है।

भूमि विकास बैंक के चेयरमैन Rajendra Sihag ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल पूर्व विधायक Abhishek Matoria के विशेष प्रयासों से संभव हो पाई। उन्होंने बताया कि सामान्यतः छुट्टी के दिन मंडी बंद रहती है, लेकिन किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से मंडी खुलवाकर खरीद प्रक्रिया जारी रखी गई।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय से सैकड़ों किसानों को अपनी उपज का समर्थन मूल्य (MSP) पर तुरंत भुगतान मिलने का रास्ता साफ हुआ है। किसानों को अब अपनी फसल बेचने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, जिससे उनका समय और श्रम दोनों बचेंगे।

किसानों के लिए यह कदम बेहद लाभकारी साबित हो रहा है, क्योंकि अक्सर मंडियों में भीड़ और छुट्टियों के कारण उन्हें कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में छुट्टी के दिन भी खरीद जारी रखना एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

इस दौरान मंडी में खरीद कार्य सुचारू रूप से चलता रहा और व्यापारियों तथा अधिकारियों के सहयोग से पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संपन्न की गई। किसान संगठनों और व्यापारियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे किसानों के हित में उठाया गया प्रभावी कदम बताया है।

स्थानीय किसानों का कहना है कि इस तरह की व्यवस्था से उन्हें समय पर भुगतान मिलने के साथ-साथ आर्थिक दबाव से भी राहत मिलती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार के निर्णय लिए जाते रहेंगे।

कुल मिलाकर, नोहर मंडी में छुट्टी के दिन चने की खरीद का यह कदम किसानों के लिए राहत भरा साबित हुआ है और इससे कृषि

क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/राजेश चौधरी, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.